प्रेषक,

अपर मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्याः SPMU/NUHM/Ins. Report/2019-20/12 / 3290 दिनांकः 11 .07.2019

विषयः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 19 से 22 जून 2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुये अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः SPMU/NUHM/Ins. Report/2019-20/12 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मिशन निदेशक एन0एच0एम0 उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
3. निदेशक, परिवार कल्याण, प0क0 महानिदेशालय उत्तर प्रदेश।
4. जिलाधिकारी, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेंली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
6. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, बरेली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
8. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक

जनपद पीलीभीत की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या

भ्रमणकर्ता अधिकारी :– श्री विनीत सिंह, सलाहकार, एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम., लखनऊ।
श्री राकेश वर्मा कार्यक्रम समन्वयक, एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम., लखनऊ।

भ्रमण दिनांक :– **19 जून से 22 जून , 2019**

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – न्युरिया

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• चिकित्सालय का प्रसव कक्ष व्यवस्थित था, माह जून में 86 प्रसव कराये गये थे।	
• 216 आशाओं के सापेक्ष 147 आशाएं कार्यरत है तथा शेष आशाओं का के चयन की प्रक्रियाधीन है	• आशाओं का चयन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण किये जाने का सुझाव दिया गया।
• चिकित्सालय में बायो मेडिकल बेस्ट का कलेक्शन एजेंसी द्वारा सप्ताह में 01 बार किया जाता है।	• चिकित्सालय में बायो मेडिकल बेस्ट का कलेक्शन नियमानुसार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• लक्ष्य के सापेक्ष आर0सी0एच0 पोर्टल पर इन्ट्री अत्यधिक कम थी।	• आर0सी0एच0 पोर्टल पर लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत इन्ट्री से कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• चिकित्सालय परिसर में पुरानी आई0ई0सी0 प्रदर्शित थी	• पुरानी आई0ई0सी0 सामग्री को हटाने का सुझाव दिया गया।
• नेत्र कक्ष में snellen chart में अक्षर सीधे लगे थे, जिसके कारण मीरर पर उल्टे अक्षर दिखाई दे रहे थे तथा पढा नहीं जा सकता था	• आखों की जॉच हेतु सही snellen chart लगाने का सुझाव दिया गया।
• ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति के कुछ खाते में में धनराशि अवमुक्त की गयी है। परन्तु ब्लाक लेखा प्रबंधक द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कुछ खातों में धनराशि आवंटित करने का आधार क्या था।	• ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति के खातों में मानक के अनुसार एव नियमानुसार धनराशि आवंटित करने का सुझाव दिया गया।
• चिकित्सालय में उपलब्ध 108/102 के रजिस्टर मानक के अनुसार नहीं भरा जा रहा था। एक एम्बुलेंस के एक दिन के सभी लाभार्थियों को एक साथ भरा गया है। जिसमें बाद में आये लाभार्थी की इन्ट्री पहले एवं पहले आये लाभार्थी की इन्ट्री बाद में हो रही थी।	• 102 व 108 रजिस्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डुयूटी पर तैनात स्टाफ द्वारा मरीज के आते समय ही ही भरा जाने का सुझाव उपस्थित स्टाफ व चिकित्सा अधीक्षक को दिया गया। एक एम्बुलेंस के सभी लाभार्थियों को एक साथ भरा गया है।
• एम्बूलेंस के कर्मचारियों द्वारा DBR/PCR की प्रति चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं करायी जा रही है।	• DBR/PCR की एक प्रतिएम्बूलेंस के कर्मचारियों से प्राप्त कर चिकित्सालय में रखी जाय।
• ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है परन्तु भ्रमण आख्या तैयार नहीं की जा रही है।	• ब्लाक प्रबंधन इकाई को भ्रमण पश्चात भ्रमण आख्या तैयार कर अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी को प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – अमरिया

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• चिकित्सालय का प्रसव कक्ष व्यवस्थित था, परन्तु डिजिटल घडी नही लगी थी। चिकित्सलाय में औसतन 90 प्रसव होते है।	• चिकित्सालय का प्रसव कक्ष मे डिजिटल घडी लगाने का सुझाव दिया गया
• एच0आर0पी0 रजिस्टर पूर्ण नहीं है।	• एच0आर0पी0 रजिस्टर पूर्ण कराने का सुझाव दिया गया।

• चिकित्सालय में बायो मेडिकल बेस्ट का कलेक्शन एजेंसी द्वारा सप्ताह में 02 बार किया जाता है। • लक्ष्य के सापेक्ष आर0सी0एच0 पोर्टल पर इन्ट्री अत्यधिक कम थी। • चिकित्सालय कण्डोम बॉक्स लगा था, जो खाली था। • चिकित्सालय में बिजली के तार खुले हुए थे जिससे कोई भी दुर्घटना घाटित हो सकती है • चिकित्सालय के मुख्य भवन के बाहर बाउण्ड्री के पास कुडे में ओ0आर0एस0 एवं आई0एफ0ए0 टेवलेट फेंकी गयी थी। जिसमें ओ0आर0एस0 की एक्सपाइरी वर्ष 2020 थी। • चिकित्सालय में उपलब्ध 108/102 के रजिस्टर मानक के अनुसार नहीं भरा जा रहा था। एक एम्बुलेंस के एक दिन के सभी लाभार्थियों को एक साथ भरा गया है। जिसमें बाद में आये लाभार्थी की इन्ट्री पहले एवं पहले आये लाभार्थी की इन्ट्री बाद में हो रही थी। • एम्बूलेंस के कर्मचारियों द्वारा DBR/PCR की प्रति चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। • ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है परन्तु भ्रमण आख्या तैयार नहीं की जा रही है। • चिकित्सालय में Fire extengisher लगे थे जो खाली थें। • वित्तीय वर्ष 2018–19 मे अब तक हुए 217 प्रसव के सापेक्ष 179 लाभर्थियो का जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत भुगतान किया गया है। गत वर्ष के कमिट कराये गये 95 प्रसव के सापेक्ष 48लाभर्थियो का भुगतान किया गया है	• चिकित्सालय में बायो मेडिकल बेस्ट का कलेक्शन नियमानुसार कराये जाने का सुझाव दिया गया। • आर0सी0एच0 पोर्टल पर लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत इन्ट्री से कराये जाने का सुझाव दिया गया। • कण्डोम बॉक्स में कण्डोम रखवाये जाये। • परिसर मे बिजली के खुले तारों को सही कराने का सुझाव दिया गया। • कूडें में फेकी गयी ओ0आर0एस0 एवं आई0एफ0ए0 टेवलेट की जॉच कराते हुए सम्बंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कराने का सुझाव दिया गया। • 102 व 108 रजिस्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डुयूटी पर तैनात स्टाफ द्वारा मरीज के आते समय ही भरा जाने का सुझाव उपस्थित स्टाफ व चिकित्सा अधीक्षक को दिया गया। एक एम्बुलेंस के सभी लाभार्थियों को एक साथ भरा गया है। • DBR/PCR की एक प्रतिएम्बूलेंस के कर्मचारियों से प्राप्त कर चिकित्सालय में रखी जाय। • ब्लाक प्रबंधन इकाई को भ्रमण पश्चात भ्रमण आख्या तैयार कर अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी को प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया। • चिकित्सालय में लगे सभी Fire extengisher को रिफिल कराने का सुझाव दिया गया। • जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत सभी लाभार्थियो का यथाशीघ्र भुगतान करने का सुझाव दिया गया।

हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर– उपकेन्द्र टॉडा विजैसी, ब्लाक–अमरिया

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• उपकेन्द्र पर हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर हेतु एक अलग कक्ष का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।	• वेलनेस रूम का कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए ब्राडिंग कराये जाने का सुझाव दिया गया ।
• उपकेन्द्र के भवन में बिजली का कनेक्शन नहीं है जिसके कारण रनिंग वाटर की व्यवस्था नहीं की गयी है। • वेलनेस सेन्टर पर सी0एच0ओ0 तैनात है, तथा वर्तमान में उपकेन्द्र पर केवल सलाह दी जा रही है।	• उपकेन्द्र पर विद्युत कनेक्शन कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
• सी0एच0ओ0 के पास कोई उपकरण (बी0पी0 मशीन स्टेथेस्कोप गूलोकोमीटर हीमोग्लोबिनोमीटर आदि) उपलब्ध नहीं थे और न ही कोई औषधि उपलब्ध थी। जिसके कारण एन0सी0डी0 की स्क्रीनिंग नही हो रही है।	• उपकेन्द्र स्तर पर संचालित हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर हेतु समस्त उपकरण एवं औषधियॉ उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।

• सी0एच0ओ0 को टेबलेट उपलब्ध करा दिये गये है सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि टेबलेट कार्य नहीं कर रहा है। • उपकेन्द्र भवन की अच्छी स्थिति मे है परन्तु दरवाजे टूटे हुए है।	• सी0एच0ओ0 को उपलब्ध कराये गये टेबलेट को ठीक कराने का सुझाव दिया गया। • उपकेन्द्र के दरवाजो की मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया।

हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर– उपकेन्द्र टण्डोला, ब्लाक– मरोरी

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• उपकेन्द्र में कोई फर्नीचर एवं उपकरण उपलब्ध नहीं थे जिससे यह प्रतीत होता है कि उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 द्वारा कोई सेवाएं प्रदान नहीं की जा रही है।	• उपकेन्द्र को नियमानुसार व्यस्थित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• उपकेन्द्र पर हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर हेतु एक अलग कक्ष का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।	• वेलनेस रूम का कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए ब्राडिंग कराये जाने का सुझाव दिया गया ।
• उपकेन्द्र के भवन में बिजली का कनेक्शन नहीं है जिसके कारण रनिंग वाटर की व्यवस्था नहीं की गयी है। हैण्ड पम्प लगा है।	• उपकेन्द्र पर विद्युत कनेक्शन कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
• वेलनेस सेन्टर पर सी0एच0ओ0 तैनात है, तथा वर्तमान में उपकेन्द्र पर केवल सलाह दी जा रही है।	
• सी0एच0ओ0 के पास कोई उपकरण (बी0पी0 मशीन स्टेथेस्कोप गूलोकोमीटर हीमोग्लोबिनोमीटर आदि) उपलब्ध नहीं थे और न ही कोई औषधि उपलब्ध थी। जिसके कारण ए0सी0डी0 की स्क्रीनिंग नही हो रही है।	• उपकेन्द्र स्तर पर संचालित हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर हेतु समस्त उपकरण एवं औषधियॉ उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• सी0एच0ओ0 को टेबलेट उपलब्ध करा दिये गये है सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि टेबलेट कार्य नहीं कर रहा है।	• सी0एच0ओ0 को उपलब्ध कराये गये टेबलेट को ठीक कराने का सुझाव दिया गया।

जिला महिला चिकित्सालय बरेली–

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• चिकित्सालय में साफ सफाई अच्छी थी। • प्रसव कक्ष व्यवस्थित था	
• रोगी कल्याण समिति के शासी निकाय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक नहीं हो रही है	• रोगी कल्याण समिति की बैठके नियमित रूप से कराने का सुझाव दिया गया।
• वर्तमान में चिकित्सालय में केवल 02 सर्जन (सी0एम0एस0 सहित) तैनात है। • मुख्य चिकित्सा अधीक्षका द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में कोई रेडियोलॉजिट तैनात नहीं है। पुरूष चिकित्सालय में 02 रेडियोलॉजिस्ट है उनमें से 01 रेडियोलॉजिस्ट द्वारा दोनो जगह कार्य किया जाता है जिससे मरीजो को आल्ट्रासाउण्ड कराने में कठिनाई होती है। • चिकित्सालय में अर्श क्लीनिक स्थापित है तथा काउन्सलर तैनात है।	
• वित्तीय वर्ष 2018–19 मे अब तक हुए 603 प्रसव के सापेक्ष 495 लाभर्थियो का जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत भुगतान किया गया है। गत वर्ष के कमिट कराये गये 130 प्रसव के सापेक्ष 70 लाभर्थियो का भुगतान किया गया है	• जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत सभी लाभार्थियो का यथाशीघ्र भुगतान करने का सुझाव दिया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जोशीटोला

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• स्वास्थ्य केन्द्र किराये के भवन में संचालित है स्वास्थ्य केन्द्र तक जाने का मार्ग अत्यंत सकरा है। • स्वास्थ्य केन्द्र को हेल्थ एवं वेलनेस सेण्टर के रूप में अपग्रेड किया जाना है परन्तु अभी तक इस सम्बंध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। वेलनेस सेण्टर को शीघ्र क्रियाशील किये जाने हेतु पूर्व विजिट में भी अनुरोध किया गया था।	• स्वास्थ्य केन्द्र को हेल्थ एवं वेलनेस सेण्टर के रूप शीघ्र क्रियाशील किये जाने हेतु पुनः अनुरोध किया गया।
• चिकित्सक तैनात है। वर्तमान में स्वास्थ्य केन्द्र पर तैनात एल0टी0 को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पुराना अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। • स्टाफ नर्स द्वारा ए0एन0सी0 की जा रही है परन्तु एल0टी0 न होने के कारण आवश्यक पैथालाजिकल जॉच नहीं हो पा रही है। केन्द्र पर ग्लोकोमीटर एवं हीमोग्लोबिनोमीटर भी उपलब्ध नहीं है। • बायोमेडिकल वेस्ट हेतु कोई व्यवस्था नहीं है। • एच.आर.पी. रजिस्टर नही बनाया गया है।	• पूर्ण कालिक चिकित्सक तैनात है अतः एल0टी0 को यहाँ तैनात करने अथवा सप्ताह में कम से कम 03 दिन एल0टी0 से इस केन्द्र पर सेवा प्रदान कराने का सुझाव दिया गया जिससे केन्द्र पर आने वाले मरीजों की आवश्यक जॉच हो सके। • केन्द्र पर ग्लोकोमीटर एवं हीमोग्लोबिनोमीटर उपलब्ध नहीं है। • बायोमेडिल वेस्ट हेतु आवश्यक व्यवस्था की जाय। • एच.आर.पी. रजिस्टर बनाने व नियमित रूप से अपडेट करने का सुझाव दिया गया है।

शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस– नकाशा ए, वार्ड न0–1

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• सत्र स्थल पर ए0एन0एम0 आशा आगनबाडी उपस्थित थी, डूयु लिस्ट उपलब्ध थी	
• बी0पी0 उपकरण में सेल खराब होने के कारण काम नहीं कर रहा था।	• बी0पी0 उपकरण सही कराने का सुझाव दिया गया।
• ए0एन0एम0 के पास कैल्सियम की टेबलेट उपलब्ध नहीं थी उनके द्वारा अवगत कराया गया कि टेबलेट उन्हे नहीं मिलती है।	• कैल्सियम की टेबलेट उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• जेई की वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी।	• जेई की वैक्सीन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।

शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस– मोहल्ला वशीर खान, वार्ड सं0–17

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• सत्र स्थल पर ए0एन0एम0 आशा आगनबाडी उपस्थित थी, डूयु लिस्ट उपलब्ध थी तथा टीकारण हो रहा था।	
• सत्र स्थल पर रखी वजन मशीन में सही वजन नहीं दर्शाया जा रहा था।	• वजन मशीन सही कराने का सुझाव दिया गया।
• आर0सी0एच0 रजिस्टर व एच0आर0पी0 रजिस्टर नही बनाया गया था।	• आर0सी0एच0 व एच0आर0पी0 रजिस्टर बनाने व अद्यतन रखने का सुझाव दिया गया।
• ए0एन0एम0 के पास कैल्सियम की टेबलेट उपलब्ध नहीं थी	• कैल्सियम की टेबलेट उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• जेई की वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी।	• जेई की वैक्सीन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व डी0पी0एम0 के साथ बैठक कर भ्रमण के उपरोक्त बिंदुओं पर चर्चा की गयी तथा सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किये जाने का अनुरोध किया गया।

प्रेषक,

अपर मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्याः SPMU/NUHM/Ins. Report/2019-20/12 दिनांकः 11 .07.2019

विषयः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 19 से 22 जून 2019 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुये अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः SPMU/NUHM/Ins. Report/2019-20/12 / 3290-8 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मिशन निदेशक एन0एच0एम0 उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
3. निदेशक, परिवार कल्याण, प0क0 महानिदेशालय उत्तर प्रदेश।
4. जिलाधिकारी, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
6. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, बरेली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
8. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश।

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक